संपादकीय

पुरानी पेंशन का चारा

पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी नीतियों के कारण हुआ, जिन्हें देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। उन नीतियों के जारी रहते उनके एक स्वाभाविक को पलटना एक विसंगति ही माना जाएगा।

राज्यों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अब विभिन्न विपक्षी दलों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना वापस लाने के वादे की झड़ी लग गई है। संभवत: इस वादे के पीछे यह धारणा है कि चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में सरकारी कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर यह भी माना जाता है कि अगर एक कर्मचारी खुश होगा, तो उससे जुड़े कई परिजनों का वोट संबंधित पार्टी को मिल सकता है। लेकिन इसी वर्ष उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में यह वादा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जीत दिलाने में नाकाम रहा। फिर भी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी है और अब गुजरात में ऐसा ही वादा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने किया है। लेकिन वहां भी इसके प्रभावी होने की संभावनाएं कम ही हैं। इसलिए कि तमाम मतदाताओं के बीच सरकार कर्मचारियों की संख्या न्यून होती है, बल्कि खुद सरकारी विभागों में अब लगभग एक चौथाई अस्थायी कर्मचारी हैं, जिन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती।

वैसे भी बाकी समाज ऐसी सुरक्षाओं से वंचित रहे, जबकि सरकारी नौकरी पा जाने वाले कुछ खुशकिस्मत लोगों की रिटायर्ड जिंदगी निश्चिंत होकर गुजरे, इस बात का कोई तर्क नहीं हो सकता। गौर करने की बात है कि 2004 में पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी कट्टरता की उन नीतियों के कारण हुआ, जिसे देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। अब बाकी क्षेत्रों में उन नीतियों पर आगे बढ़ना और उनके स्वाभाविक परिणाम एक निर्णय को पलट देना एक विसंगति ही माना जाएगा। बेहतर यह होत कि राजनीतिक दल इन नीतियों पर अमल के तीन दशक के अनुभव के आधार पर इनकी अपना पूरा आकलन देश के सामने रखते। लेकिन ऐसा कर सकने की बौद्धिक क्षमता और साहस किसी दल के पास है, उसके कोई संकेत नहीं मिले हैं। इस बीच चुनाव जीतने की बेसब्री में ऐसा वादा करना जिस पर अमल इन नीतियों के रहते समस्या ही पैदा करेगा- इन दलों की अल्पदृष्टि को जाहिर करता है। ऐसे वादों या उपायों से समाज का भला नहीं होता- यह हमें याद रखना चाहिए।

स्वदेशी एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत, विदेशी मुद्रा की होगी बचत

नई दिल्ली । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस व आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने एवीगैस 100 एलएल को शुरू किए जाने के अवसर पर कहा कि हम एक उल्लेखनीय रूपांतरण के दौर से गुजर रहे हैं जो लगभग क्रांतिकारी है। हम जैव ईंधन सम्मिश्रण, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम कर रहे हैं।

एवीगैस 100 एलएल पिस्टन इंजन विमान और मानव रहित वाहन के लिए विशेष विमानन ईंधन है। वर्तमान में देश इस उत्पाद को यूरोपीय देशों से आयात कर रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन ऑयल ने हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर किया। इसमें नागरिक उड्डयन व सडक़ परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) समेत भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

श्री पुरी ने कहा कि भविष्य में पायलट प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु विमानों में हवाईअड्डों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी, विमानों व उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों (एफटीओ) की संख्या में बढ़ोतरी के साथ एक विकसित विमानन उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी एवीगैस 100 एलएल को शुरू किया जाना महत्वपूर्ण है। जैसा कि भविष्य में भारत में हवाई परिवहन की मांग कई गुना बढऩे की उम्मीद है, इसे देखते हुए प्रशिक्षित पायलटों की भी भारी मांग होने वाली है।

इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा, इंडियन ऑयल को अपनी रिफाइनिंग (परिशोधन) ताकत और इन-हाउस विशेषज्ञता का लाभ उठाकर इस विशेष ईंधन को शुरू करने पर गर्व है। वास्तव में स्वदेशी ईंधन आयातित ग्रेड की तुलना में बेहतर है। एवीगैस बाजार के मौजूदा 1.92 अरब डॉलर से बढक़र 2029 तक 2.71 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। हम घरेलू मांग को पूरा करने के अलावा निर्यात के अवसरों को लक्षित करने के लिए जल्द ही एक नई सुविधा स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विमानन गैसोलीन का प्रमुख ग्रेड यानी एवीगैस 100 एलएल टर्बो चार्ज किए गए रिसीप्रोकेटिंग पिस्टन इंजन विमान में उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उपयोग मुख्य रूप से एफटीओ और रक्षा बलों द्वारा पायलटों के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है। यह आयातित ग्रेड की तुलना में बेहतर है। एवीगैस 100 एलएल की स्वदेशी उपलब्धता आयात पर निर्भरता को कम करने और संबंधित लॉजिस्टिक चुनौतियों का समाधान करने में सहायता करेगी। इस उत्पाद की घरेलू उपलब्धता से देश कीमती विदेशी मुद्रा को बचाने में सक्षम होगा। इससे पूरे भारत में 35 से अधिक एफटीओ को भी लाभ होगा।

ईडी की मनदीप इंडस्ट्रीज के खिलाफ बड़ी कार्यवाई, 16 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली । गुजरात के राजकोट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनदीप इंटस्ट्रीज के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में 16 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। मनदीप इंडस्ट्रीज गुजरात के राजकोट में आशीष बी. तलाविया, किशोरभाई हरिभाई वैष्णानी, रामजीभाई एच. गजेरा, कल्पेश पी. तलाविया और भावेश तलाविया की पार्टनरशिप कंपनी है।

अधिकारी ने कहा कि कुर्की में कंपनी से जुड़े प्लांट और मशीनरी, फैक्टरी लैंड और बिल्डिंग, रेजिडेंशियल फ्लैट और प्लॉट शामिल हैं। ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), मुंबई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। पीएमएलए के तहत जांच के दौरान पता चला कि मनदीप इंडस्ट्रीज ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को लोन चुकाने में धोखाधड़ी की, जिससे बैंक को 44.64 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ईडी की जांच की अनुसार, यह कंपनी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से लोन लेकर कई लाभ उठा रही थी। पैसों को कंपनी के पार्टनर्स के निजी खातों में भी भेजा गया। डायवर्टेड फंड का एक हिस्सा अचल संपत्तियों की खरीद के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल ओपन ताइचंडो में भारत ने जीते 17 पदक

लखनऊ । भारत ने नेपाल के पोखरा में 23 से 25 सितम्बर के बीच खेली गयी तीसरी माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल ओपन ताइचंडो चैंपियनशिप में कुल 17 पदकों पर कब्जा किया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) लखनऊ द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार तीन दिनों की प्रतियोगिता में भारत की जूनियर वर्ग की टीम ने चार स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक हासिल किये जबकि सीनियर वर्ग के खिलाडिय़ों ने दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते। नेपाल ताइचंडो एसोसियेशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप में भारत के अलावा कोरिया, अमेरिका, हांगकांग, नेपाल, मलेशिया, आस्ट्रेलिया, तुर्की, केन्या, स्पेन, बंगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका समेत 13 देशों ने हिस्सा लिया।

दिवाली त्यौहार पर व्यापारियों को बड़े व्यापार की उम्मीद

नई दिल्ली । देश भर में व्यापारियों को नवरात्र के पहले दिन से शुरू हुए इस वर्ष के दिवाली त्यौहारी सीजन को लेकर इस बार व्यापारियों की उम्मीदें ऊंची हैं और उनका मानना है कि इस दिवाली सीजन में चीन की जगह देश में बने सामानों का बोलबाला होगा।

परंपारगत व्यापारियों के एक शीर्ष संगठन ने कहा है है भारत में देश में बने सामानों पर जोर से चीन के व्यापार को सीजन में 75 हजार करोड़ रुपये तक का झटका लग सकता है।

कोरोना के कारण पिछले दो साल दिवाली सीजन बुरी तरह प्रभावित रहा। व्यापारियों के संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा, इस वर्ष सामानों की बढ़ती मांग की सम्भावना के मद्देनज़र देश भर में व्यापारियों ने अपने यहाँ पर्याप्त स्टॉक और विभिन्न प्रकार के उत्पादों का व्यापक प्रबंध किए हैं, ख़ास बात यह है की बाज़ारों में मौटे तौर पर इस बार चीनी सामान नदारद होगा और जिसके विकल्प के रूप में भारतीय सामान बाज़ारों में मिलेगा।

बयान में कैट ने कहा है कि दिल्ली सहित देश भर के व्यापारियों को बड़ी उम्मीद है की कोरोना काल के दो वर्ष बाद इस दिवाली त्यौहारी सीजन में अच्छी बिक्री होगी। विशेष बात यह है की पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्राहकों का खरीदी व्यवहार पूर्ण रूप से चीनी सामानों के जगह भारतीय सामानों पर रहने वाला है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज एक संयुक्त वक्तव्य में देश भर के व्यापारियों से आग्रह किया है की आजादी के अमृत महोत्सव काल में इस वर्ष की दिवाली को विशुद्ध रूप से 'भारतीय दिवाली- लोकल दिवाली' के रूप में मनाया जाए तथा देश भर में व्यापारी अपने घरों एवं दुकानों में वैदिक रीति से दिवाली पूजन करें और अपने ग्राहकों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

नेशनल गेम्स में तीसरी बार गोल्ड मेडल के लिए प्रयास करेंगी फेंसर भवानी देवी

गांधीनगर । ओलंपियन भवानी देवी यहां गुजरात में 36वें नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी करने के लिए फ्रांस से पूरी यात्रा करने के लिए तैयार हैं। 2015 में पिछले खेलों के बाद से लंबे अंतराल का जिक्र करते हुए, उन्होंने राष्ट्रीय मीडिया के साथ एक बातचीत के दौरान कहा, मैंने नेशनल गेम्स में अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत की है।

उन्होंने आगे कहा, तीन महीने पहले जब मैंने सुना कि गुजरात ने खेलों की मेजबानी के लिए कदम रखा है तो मैं रोमांचित हो गई।

चैंपियन फेंसर ने अपने कारनामों से देश में अकेले ही खेल को लोकप्रिय बनाया है और वह अब गांधीनगर में 30 सितंबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता का और इंतजार नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा, नेशनल गेम्स मेरे लिए एक बहुत ही खास प्रतियोगिता है। मैं इसका इंतजार कर रही हूं। इससे भी ज्यादा यह गुजरात में मेरा पहला कार्यक्रम होगा। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि पिछले सात वर्षों में भारतीय तलवारबाजी ने एक लंबा सफर तय किया है। इस बार प्रतियोगिता अलग होगी और मैं फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं।

फरवरी 2015 में वापस, भवानी देवी ने कोच्चि उपनगर, नेदुंबस्सेरी में महिला कृपाण फाइनल में पंजाब की कोमलप्रीत शुक्ला को हराया। इससे पहले, 2011 में रांची में, उन्होंने केरल टीम की अपनी साथी रीथा पुथुसेरी को हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था।

वह पिछले दो नेशनल गेम्स में विजेता केरल टीमों का हिस्सा थीं, क्योंकि वह थालास्सेरी में साई केंद्र में प्रशिक्षण ले रही थीं।

एशियाई अंडर-16 टूर्नामेंट में सिर्फ भारतीय खिलाड़ी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरू हुयी एशियन अंडर-16 प्रतियोगिता में भारत के अलावा अन्य एशियाई देशों के खिलाड़ी नहीं दिखे।

विजयंत खंड गोमती नगर में एशियन टेनिस फेडरेशन के तत्वावधान में शुरू हुये मुख्य ड्रा के मुकाबलों में हैदराबाद के प्रकाश सरन और मध्य प्रदेश के रूद्रा बाथम ने अपने मुकाबले आसानी से जीत लिये। सरन ने हमवतन कुशल जैन कुशल को 6-0,6-0 से हराया जबकि बाथम ने वी मृगवानी को 6-0,6-0 से पस्त किया।

इसके अलावा तेजस सिंह,ए चौधरी,वी खिलारीवाल,आराध्य क्षितिज,अदवित तिवारी,खुशविन जैफरी ने भी कोर्ट में अपने प्रतिद्धंदियों को घुटनों पर बैठाने में सफलता हासिल की वहीं बालिका अंडर-16 में सिधक कौर,शताशिखा,शक्ति मिश्रा और एंजेल पटेल ने बड़ी आसानी से अपने मुकाबले जीत लिये।

उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल ने बताया कि टूर्नामेंट के वरीयता प्राप्त खिलाडय़ों के मुकाबले मंगलवार को खेले जायेंगे। विदेशी मेहमानो के न आने का कारण गिनाते हुये उन्होने कहा कि उत्तर भारत में हो रही बारिश के चलते अन्य एशियाई देशों को प्रतियोगिता शुरू होने को लेकर संशय की स्थिति थी। तीन अक्टूबर से होने वाली अंडर-14 वर्ग की चैंपियनशिप में हालांकि नेपाल और बंगलादेश समेत अन्य देशों के खिलाडिय़ों के आने की संभावना है।

आज का राशिफल

मेष : आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर, योगा, प्राणायाम अवश्य करें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।

वृष : आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं।

मिथुन : आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। स्वास्थ्य सही रहेगा।

कर्क : घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है।

सिंह : अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

कन्या : आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगा। शारीरक लाभ मिलेगा। अनुभवी लोगों से जुडक़र जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें। स्वास्थ्य लाभ होगा।

तुला : आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे। धार्मिक रूचि बढेगी। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनाए रखें लक्ष्मी वास होगा।

वृश्चिक : आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं।

धनु : मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। मित्र मण्डली का सकारात्मक सहयोग रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है।

कुंभ : आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है।

मीन : अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है।

रवीना टंडन-स्टारर पटना शुक्ला में समानांतर भूमिका निभाएंगी अनुष्का कौशिक

वेब सीरीज घर वापसी और क्रैश कोर्स में नजर आ चुकीं अनुष्का कौशिक को रवीना टंडन अभिनीत फिल्म पटना शुक्ला में एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम भोजपुरी में बोलना था और उन्होंने भाषा सीखने के लिए अतिरिक्त प्रयास किया।

जब उन्हें निर्माताओं का फोन आया, तो उन्हें यकीन नहीं था कि वह इसके साथ न्याय कर पाएंगी। लेकिन उनके मुताबिक उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस रोल के लिए परफेक्ट होंगी।उन्होंने कहा कि उन्होंने मुझे अलग-अलग किरदार करते देखा है और उन्हें यकीन है कि मैं इस बोली को भी सीख सकती हूं।

फिर भी, मैंने उनसे एक दिन मांगा, जिसके दौरान मैंने बहुत सारी भोजपुरी सीखी, और फिर ऑडिशन दिया।अनुष्का ने अपने चरित्र के बारे में बताया, यह रवीना टंडन मैम के साथ एक समानांतर मुख्य भूमिका है और चरित्र का पूरा सेट और कहानी बहुत अलग है।

मैं कभी भी पटना में किसी भी कहानी का हिस्सा नहीं रही या यहां तक कि शहर का दौरा भी नहीं किया। , लेकिन मैं इस भूमिका के लिए तैयारी करना चाहती हूं। इस चरित्र की यात्रा बहुत अलग है, फिर भी इसका असली अनुष्का के साथ कुछ संबंध है।

रवीना टंडन, अनुष्का कौशिक, सतीश कौशिक, चंदन रॉय सान्याल और जतिन गोस्वामी अभिनीत पटना शुक्ला अगले साल रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

ऋतिक रोशन, सैफ अली खान का नया गाना बंदे एक्शन से भरपूर

ऋ तिक रोशन और सैफ अली खान अभिनीत मूवी विक्रम वेधा को जनता का खूब प्यार और अटेंशन भी मिलने लगी है और इसके लिए दीवानगी निरंतर बढ़ती जा रही है। मूवी के पहले गाने अल्कोहोलिया से इंटरनेट पर धूम मचाने के उपरांत, निर्माता इसके दूसरे गाने बंदे के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हो चुकी है।

इसमें कोई शक नहीं है कि, विक्रम वेधा साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है और मूवी से जुड़ी हर चीज इंटरनेट पर एक नया ट्रेंड भी सेट कर चुके है। अब मेकर्स मूवी के अगले बंदे गाने के साथ हाजिर हैं। यह गीत दर्शकों को विक्रम वेधा की दुनिया में और गहराई से ले जाता है, जहां अपने इलेक्ट्रिफाइंग बीजीएम के साथ एक कॉप के रूप में विक्रम का सुपर कूल स्वैग और खतरनाक ग्रे गैंगस्टर वेधा के साथ पागलपन को और भी बढ़ा दिया है।

डिनर के लिए लाजवाब सब्जी 'सोया चाप करी'

रात के डिनर में क्या बनाएं ये डिसाइड करने में मुश्किल हो रही है तो क्यों न ऐसा कुछ ट्राय करें जो मिनटों में तैयार हो जाए। इसके लिए सोया चाप करी रहेगी एकदम बेस्ट।

सामग्री :

सोया चाप- 250 ग्राम, टमाटर- 3, अदरक- 1, हरी मिर्च- 1, ग्राम क्रीम- 100, तेल- 3-4 टेबल स्पून, हींग- चुटकीभर, जीरा- 1/4 छोटी चम्मच, हरी धनिया कटी हुई, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच, गर्म मसाला- 1 छोटा चम्मच, कसूरी मेथी और नमक स्वादानुसार

विधि :

- सबसे पहले तो सोया चाप को 1 से 1.5 इंच के टुकड़ों में काट लें।
- पैन में तेल गर्म करें और उसमें चाप डालकर सुनहरा होने भून लें और प्लेट में निकालकर साइड में रख लें।
- मिक्सी में टमाटर, अदरक व हरी मिर्च का पेस्ट बना लें।
- पैन के बचे तेल में जीरे, हींग का तड़का लगाएं फिर इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, कसूरी मेथी और साबुत गर्म मसाले, काली मिर्च, दाल चीनी, लौंग और इलायची डालकर हल्का भूनें। इसके बाद इसमें टमाटर वाला पेस्ट डाल दें।
- मसाला जब अच्छी तरह भून जाता है तो तेल छोड़ता है तभी इसमें गर्म मसाला डाल लें और क्रीम भी। मसाले को उबाल आने तक पकाएं।
- उबाल आने पर इसमें 1/2 कप पानी डालें और एक बार फिर से उबाल आने का इंतजार करें।
- अब डाल दें हरा धनिया, सोया चाप और साथ ही नमक भी।
- धीमी आंच पर ढककर 4-5 मिनट और पका लें। फिर रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 207

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

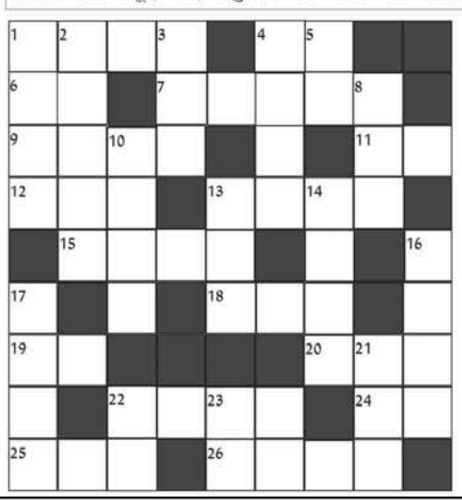

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 206 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 207

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.206 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6